भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1343
दिनांक 27 जुलाई, 2023

खाद्य तेल से बायो-डीजल का उत्पादन

†1343. श्री फ़िरोज़ वरुण गांधी:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का खाद्य तेल से बायो-डीजल उत्पन्न करने के लिए कोई कार्यक्रम आरंभ करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सम्पूर्ण देश में शहर-वार कितने संयंत्र स्थापित किए जाने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार ने बायो-डीजल के निर्माण के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) का प्रस्ताव किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा कितनी मात्रा में उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ) राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति-2018 में अखाद्य तिलहनों, प्रयुक्त खाद्य तेल (यूसीओ), जानवरों की चर्बी, एसिड ऑयल जैसे विभिन्न फीडस्टॉक्स की पहचान जैव डीजल के उत्पादन के लिए की गई है। वर्ष 2030 तक डीजल में 5% जैव डीजल का मिश्रण करने/जैव डीजल की सीधे बिक्री करने का निर्देशात्मक लक्ष्य की रूप रेखा राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति-2018 के तहत पहले ही तैयार कर ली गई है। विभिन्न फीड स्टॉक से उत्पादित जैव डीजल की आपूर्ति के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कपंनियों में वर्तमान में 61 संयंत्र पंजीकृत हैं। इन संयंत्रों का प्रचालन निजी क्षेत्र में किया जा रहा है। वर्तमान में जैव डीजल के विनिर्माण हेतु सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) का कोई प्रस्ताव नहीं है।

***